



Mr.a



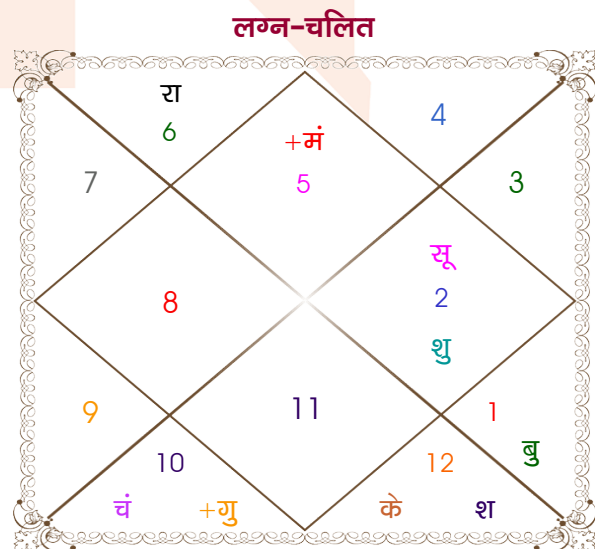
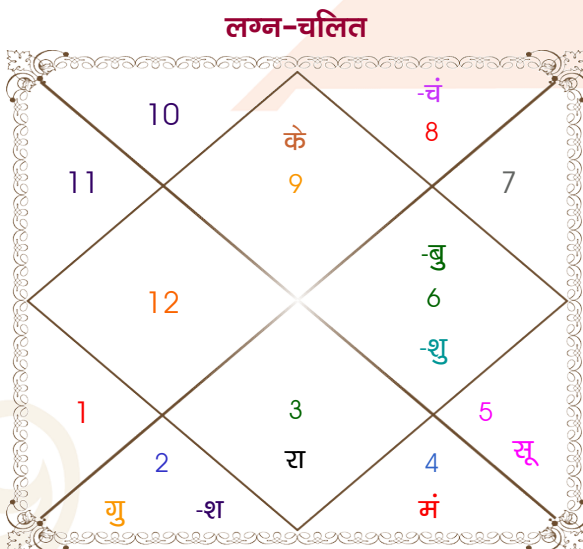
Ms.sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119232108

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 04/09/2000 : _____ जन्म तिथि _____ 26/05/1997
 सोमवार : _____ दिन _____ सोमवार
 घंटे 14:55:00 : _____ जन्म समय _____ 12:15:00 घंटे
 घटी 22:27:18 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 17:20:08 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Hardwar : _____ स्थान _____ Muzaffarnagar
 29:58:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 29:28:00 उत्तर
 78:09:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:42:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:19:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:56:04 : _____ सूर्योदय _____ 05:21:49
 18:36:05 : _____ सूर्यास्त _____ 19:10:56
 23:51:44 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:49:12

विंशोत्तरी शनि 18वर्ष 5मा 23दि बुध		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 11मा 25दि राहु			
28/02/2019		14:19:18	धनु	लग्न	सिंह	12:29:40	21/05/2018			
28/02/2036		18:17:09	सिंह	सूर्य	वृष	11:14:31	20/05/2036			
		03:41:49	वृश्चि	चंद्र	मक	01:08:36				
		28:08:58	कर्क	मंगल	सिंह	27:21:12				
बुध	26/07/2021	00:10:34	कन्या	बुध	मेष	16:22:57	राहु	31/01/2021		
केतु	23/07/2022	16:20:32	वृष	गुरु	मक	27:46:30	गुरु	27/06/2023		
शुक्र	23/05/2025	11:20:38	कन्या	शुक्र	वृष	25:17:03	शनि	03/05/2026		
सूर्य	30/03/2026	07:03:27	वृष	शनि	मीन	22:57:54	बुध	19/11/2028		
चन्द्र	29/08/2027	29:32:32	मिथु	व	राहु	व	कन्या	02:12:14	केतु	08/12/2029
मंगल	25/08/2028	29:32:32	धनु	व	केतु	व	मीन	02:12:14	शुक्र	07/12/2032
राहु	15/03/2031	24:03:28	मक	व	हर्ष	व	मक	14:47:02	सूर्य	01/11/2033
गुरु	20/06/2033	10:21:59	मक	व	नेप	व	मक	05:58:54	चन्द्र	03/05/2035
शनि	28/02/2036	16:20:52	वृश्चि		प्लूटो	व	वृश्चि	10:23:14	मंगल	20/05/2036



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतणं का वर्ग सर्प है तथा डेणैप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणं और डेणैप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतणं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेणैप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेणैप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

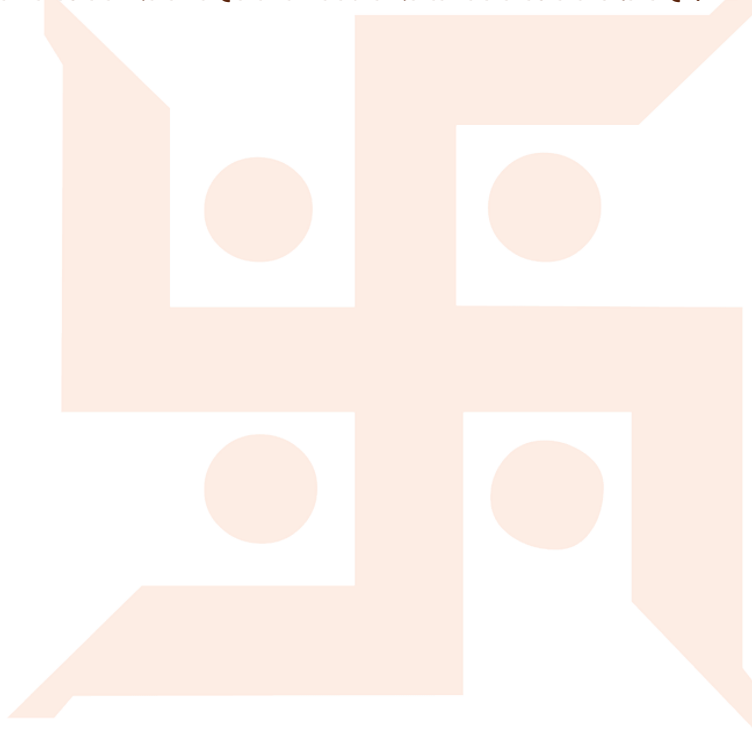
वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतणं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणं तथा डेणैप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

